



भारत का राजपत्र

The Gazette of India



असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

ल० 76]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, मार्च 11, 1982/फाल्गुन 20, 1903

No. 76] NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 11, 1982/PHALGUNA 20, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

*Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation*

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 11 मार्च, 1982

का० आ० 245 (अ) खाद्य अपरिमित निवारण नियम, 1955 का संशोधन करने के लिए नियमों का एक प्रारूप खाद्य अपरिमित निवारण अधिनियम, 1954 (1954 का 37) की धारा 23 की उपधारा (1) द्वारा यथा अपेक्षित भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) की अधिसूचना मंत्रालय 142 तारीख 30 जनवरी, 1981 के अधीन भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (i) तारीख 7 फरवरी, 1981 पृष्ठ 273-275 पर, प्रकाशित किया गया था, जिसमें उस तारीख से, जिसको उस गताय की परिधि, जिसमें उस अधिसूचना प्रकाशित हुई थी, जनता को उपरिय यथा दी गई थी, नक्ते दिन की अवधि वी मार्गाल्प के पूर्व उस गती वर्कियों से आग्रह और मुश्वाव मार्ग दी गयी थी, जिनके उगम प्रयातित होने वाली सम्भानता है।

और उस गताय की प्रतिया 7 फरवरी, 1981 को जनता को उपलब्ध करा दी गई थी।

और केन्द्रीय सरकार ने उस गताय की वातन प्राप्त साधों और सूक्षाओं पर विचार कर लिया है।

अस., केन्द्रीय सरकार, उस अधिनियम की धारा 2-3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शास्त्रियों का प्रयोग करने हुए, नथा केन्द्रीय खाद्य भारत

1426 GI/81

ममिन से परामर्श करते के पश्चात् खाद्य अपरिमित निवारण नियम, 1955 का और संशोधन करने के लिए नियमित नियम बनाती है, अर्थात्—

1. मक्किन नाम और प्रारम्भ (i) इन नियमों का संक्षिप्त नाम खाद्य अपरिमित निवारण (कुनीय संशोधन) नियम, 1982 है।

(2) ये गजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगा।

2. खाद्य अपरिमित निवारण नियम, 1955 के परिवर्तन "ख" में (ग)मद सं० क 12 में,

(क) खण्ड 3 के पश्चात् नियमित अंतः स्थापित किया जाएगा अवधि—

"1 नियक्तित वर्षा का गमनांक -31° से 37° सेंटीग्रेड" (सेंटीग्रेड पर्याप्ति लिये गए)

5. नियक्तित वर्षा का अवायुनीकरण गदार्थ भार में 1.5 प्रतिशत से अधिक।

गत वायु प्रमाण (नियक्तित वर्षा और अवधि के रूप में)

भार में 0.25

प्रतिशत में अवधि

0.5 में अवधि

- (ब) "२ रेड यूनिट्स" शब्द और शब्दों के स्थान पर "२.५ रेड यूनिट्स" शब्द और शब्द रखे जाएंगे।
- (ग्र) मद क १७.०९ में,
- (क) "कुमुम तेल (सफलात्मक आयन)" शब्दों के स्थान पर "कुमुम वीज तेल" शब्द रखे जाएंगे।
- (ख) खण्ड (ग) में "१४६" शब्दों के स्थान पर "१४८" शब्द रखे जाएंगे।
- (इ) मद क १७.२२ के पश्चात् निम्नलिखित जोड़ा जाएगा, अर्थात्-

"क. १७.२३ धान औकर तेल : से, शोगाजा सेटाइवालिन का धान के अधिकारी धान के भूगोल के द्वारा और को परत से अधिकारी धान तेल अधिकारी है। फेम गार्मिनी, जिसे धान पेषण की प्रक्रिया के द्वैशन हटा दिया जाता है और जो साधारणतया धान औकर के रूप में माना जाता है।

परिष्कृत धान औकर तेल भारत से निप्रभावत, विंजन मृदा गा सकियत कार्बन द्वा दोनों के साथ विवरित सथा वाष्प के साथ निर्णीकृत विलायक निष्पक्षित तेल से अधिकारी धान जाएगा। विकल्पतः निर अमर्दीकरण विरंजन और निर्गन्धीकरण भाँति का मानवों से किया जा सकेगा।

तेल माल होगा और दुर्गम्भ, आगमित्रों, तलछटों, निर्मित और अन्य विजातीय पदार्थों पृथक्कृत जग और मिलाएँ गए रंगक तथा मुख्य कारक पदार्थों से मुक्त होंगा। तेल की शुद्धता का निर्णय निस्पदित नमूने को २४ घंटे के लिए ३५° सेंटीग्रेड पर रखने के पश्चात् आविनता की अनुरूपस्थिति द्वारा किया जाएगा। धान औकर तेल का विक्रय केवल परिष्करण के पश्चात् मानव उपभोग के लिए किया जाएगा। यह निम्नलिखित मानकों के अनुमार छोड़ा जाएगा, अर्थात्:-

(१) अद्वितीय अविनेय अपवर्गों का भार में प्रतिशत-०.१ अनधिक

(२) ४०° सेंटीग्रेड पर अपवर्तनांक- १.४८०० में १.१७०० तक या

१०° सेंटीग्रेड पर व्यूटिरो-रिफ्रेशीटर पठन-५१.० से ६६.४ तक

(३) साबुनीकरण मान- १८० में १९५

(४) आयोडीन मान (विज पद्धति) -९० से १०५ तक

(५) मुक्त शस्त्र शम्ख (ओलीक अध्यक्ष के रूप में) का भार में प्रतिशत- ०.२५ से अनधिक

या

अस्त्र मान-०.५ से अनधिक

(६) असाबुनीकरणीय पदार्थ का भार में प्रतिशत-३.५ में अनधिक

(७) प्रज्वलन ताप (पेल्वरी माठेन अपोइंड पर्फन)-२५०° सेंटीग्रेड से अन्धून"

टिप्पणः मद क १७ के अधीन विवित व्याप्ति तेल, परंड-तेल से मुक्त होंगे।

(ई) मद क १९ में-

(क) "हाइड्रोजनीकरण द्वारा निर्मित किया जाएगा" शब्दों के पश्चात् निम्नलिखित शब्द जोड़े जाएंगे, अर्थात्-

"परिष्कृत सैला वीज शस्त्र, यदि प्रयुक्त की जाए तो, कुल तेल-भिशण के १० प्रतिशत में अधिक नहीं होगी।"

(ख) खण्ड (vii) में "१.२५" शब्दों के स्थान पर "२.०" शब्द रखे जाएंगे।

(उ) मद क १९.०१ के खण्ड (ग्र) के गार्डन निम्नलिखित शब्द जोड़े जाएंगे, अर्थात्-

"(क) इसमें पारम्परागत के रूप से विभिन्न सामान्य अवृत्तियों द्वारा विकल्परूप हो सकते हैं।"

[प्र. नं. १५०१.४/१३/८० दी.०४.८० (एक पृष्ठा)]

आर.० के० गिरव, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE NOTIFICATION

New Delhi, the 11th March, 1982

G.S.R. 245(E).—Whereas certain draft rules further to amend the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, were published as required by sub-section (1) of section 23 of the Prevention of Food Adulteration Act, 1954 (37 of 1954), with the notification of Government of India in the Ministry of Health and Family Welfare (Department of Health) No. G.S.R. 142, dated the 30th January, 1981 published in the Gazette of India, Part II Section 3 Sub-section (i) dated the 7th February, 1981 (at pages 273 to 275) inviting objections and suggestions from all the persons likely to be affected thereby the expiry of ninety days from the date on which copies of the Gazette of India in which the said notification was published, were made available to the public.

And whereas the copies of the said Gazette were made available to the public on the 7th February, 1981 and whereas the objections and suggestions received from the public on the draft rules have been considered by the Central Government.;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 23 of the said Act; the Central Government after consultation with Central Committee for Food Standards hereby makes the following rules, further to amend the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, namely :—

RULES

1. (1) These rules may be called the Prevention of Food Adulteration (iii Amendment) Rules, 1982.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, in Appendix 'B' :—

A. in item A. १३

(a) after clause 3, the following shall be inserted, namely :

"—Melting point of extracted fat —31°C to 37°C (Capillary Slip method).

5—Unsaponifiable Not more than 1.5 per cent matter of by weight,
extracted fat.

6—Oleic fatty acids Not more than 0.25 per cent (as oleic acid) of by weight,
extracted fat.

7—R Acid value Not more than 0.5;

(b) for the figure and words "2 red units", the figures and words "2.5 red units" shall be substituted;

B. in item A. 17.09

(a) for the words "SAFFLOWER OIL", the words SAFFLOWER SEED OIL shall be substituted.

- (b) in clause (c), for figures '146', the figures '148' shall be substituted;
- C. after item A. 17.22, the following shall be added, namely :

"A. 17.23—Rice Bran Oil means the oil obtained from the layer around the endosperm of rice obtained from paddy of *Oryza Sativa Linn.* Fam Gramineae, which is removed during the process of rice milling and is generally known as rice bran.

Refined Rice Bran Oil shall be obtained from solvent extracted oil, neutralised with alkali, bleached with bleaching earth or activated carbon or both and deodorised with steam. Alternatively deacidification, bleaching and deodorisation may be done by physical means.

The oil shall be clear and free from rancidity, adulterants, sediments, suspended and other foreign matters, separated water and added colouring and flavouring substances. The clarity of the oil shall be judged by the absence of turbidity after keeping the filtered sample at 35° C for 24 hrs. Rice Bran oil shall be sold for human consumption only after refining. It shall conform to the following standards, namely :

- (i) Moisture and insoluble impurities. Not more than 0.1 per cent by weight.
- (ii) Refractive index at 40°C 1.4600 to 1.4700

OR

Butyro-refractometer reading

at 40°C. 51.0 to 66.4

- (iii) Saponification value 180 to 195
- (iv) Iodine value (Wijs' method) 90 to 105
- (v) Free Fatty Acids (as oleic acid) Not more than 0.25 per cent by weight.

OR

- Acid value Not more than 0.5
- (vi) Unsaponifiable matter, per cent by weight. Not more than 3.5
- (vii) Flash point (Pansky Marten closed method). Not less than 250°C

Note :—The edible oils prescribed under item A.17 shall be free from Castor oil.

D. in item A. 19

- (a) after the words, "allowed by the Government for the purpose", the following words shall be added, namely:— "Refined sal seed fat, if used, shall not be more than 10 percent of the total oil mix.";
- (b) in clause (vii), for the figures "1.25", the figures "2.0" shall be substituted;

E. in item A. 19.01, after clause (b) the following clause shall be added, namely :—

- "(c) it may contain added mono-glycerides and diglycerides as emulsifying agents."

[No. P—15014/13/80-PH (F&N) PFA]
R. K. SINGHAL, Joint Secy.

